RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार, 13 जनवरी 2023 वर्ष 04 अंक 231 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

यात्रियों की स्वास्थ्य से टीएमटी कर रहा है खिलवाड़...!

ठाणे : महानगरपालिका द्वारा संचालित टीएमटी बसों में यात्रियों को अपनी जान हथेली पर रखकर यात्रा करनी पड़ रही है। दरअसल, टीएमटी के बसों में फायर सेफ्टी की सुविधा नहीं है। इस मामले का पदार्फाश ठाणे महानगरपालिका परिवहन समिति के सदस्य मोहसिन शेख ने किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में ही फायर सेफ्टी के मुद्दे को उठाया था। लेकिन परिवहन प्रशासन ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

आपको बता दें कि गत दिवस लोकमान्यनगर वृंदावन मार्ग पर चलने वाली बस में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी। इस मामले में शेख ने संबद्ध प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग ठाणे महानगरपालिका प्रशासन से की है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए मोहसिन शेख ने बताया कि उन्होंने 12 दिसंबर 2021 को परिवहन व्यवस्थापक को एक पत्र देकर टीएमटी बसों में फायर सेफ्टी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की थी। ताकि आग लगने की दुर्घटनाओं से बसों को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस समय जीसीसी आधार पर चलने वाली बसों में भी फायर सेफ्टी की सुविधा नहीं है। मोहसिन शेख ने मांग की है कि ठेके पद्धति अर्थात जीसीसी आधार पर चलने वाली बसों में फायर सेफ्टी नहीं होने के कारण ठेकेदार से किए गए करार के अनुसार दंड की वसूली की जाए। इसके साथ ही टीएमटी के स्वामित्व वाली बसों में भी फायर सेफ्टी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

बिना फायर सेफ्टी के चल रही है बसें !

ठेके पर चलने वाली बसों में भी सेफ्टी का अभाव

महानगरपालिका क्षेत्र में ठेके पद्धति अर्थात जीसीसी के आधार पर ठेकेदार बसों का संचालन कर रहे हैं। इन बसों के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी संबद्ध ठेकेदार का है। लेकिन उन्होंने बसों में फायर सेफ्टी जैसे संवेदनशील मामले की उपेक्षा की है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने मांग की है कि ठेकेदार के खिलाफ भी उचित प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए।

सीबीआई ने मुंबई में मारा छापा

भारी मात्रा में डॉलर और नकदी बरामद

पीएसएल घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने मुंबई में छापेमारी की. इस दौरान सीबीआई को भारी मात्रा में डॉलर और नकदी बरामद हुई है. जानकारी के मुताबिक, मुंबई में तलाशी अभी भी चल रही है. सीबीआई ने पिछले साल पीएसएल समूह और उसके निदेशकों के खिलाफ केनरा बैंक के साथ ऋण धोखाधड़ी को लेकर मामला दर्ज किया था. सीबीआई के अनुसार, कंपनी ने ऋण भुगतान में गड़बड़ी करके केनरा बैंक को कथित तौर पर 428.50 करोड़ रुपये की चपत लगाई है.

केनरा बैंक को धोखा देना का मामला

अधिकारियों के अनुसार, कंपनी पर 2016-19 के दौरान केनरा बैंक को धोखा देने की साजिश रचने और विभिन्न ऋण सुविधाओं की मंजूरी मांगने का आरोप है. सीबीआई अधिकारियों ने कहा अभियुक्तों ने बहीखातों को गलत तरीके से पेश किया और बैंक के धन का दुरुपयोग कर देनदारों से मिलने वाली राशि को इधर-उधर किया है.

इन लोगों के खिलाफ दर्ज है मामला

सीबीआई ने इस मामले में कंपनी के अलावा इसके निदेशकों अशोक योगेंद्र पुंज, राजेंद्र कुमार बाहरी, चितरंजन कुमार, जगदीशचंद्र गोयल और आलोक योगेंद्र पुंज को भी मामले में आरोपी बनाया है.

सीबीआई ने 15 सितंबर को मुंबई और गुजरात में छापेमारी की थी. इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने दावा किया था कि उन्हें महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं.

डोंबिवली एमआईडीसी आवासीय परिसर में सड़क के लिए कटेंगे इतने पेड़!, बढ़ेगा प्रदूषण

कल्याण : जहां डोंबिवली के नागरिक पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। वहीं डोंबिवली एमआईडीसी आवासीय क्षेत्र में पक्की सड़क बनाने के कारण 110 बड़े पेड़ों को काटना पड़ेगा जिससे डोंबिवली एमआईडीसी आवासीय क्षेत्र में और प्रदूषण बढ़ने वाला है। एमएमआरडीए द्वारा वर्तमान में डोंबिवली एमआईडीसी आवासीय क्षेत्र में सड़कों की कंक्रीटिंग का काम चल रहा है। ठेकेदार एनए कंस्ट्रक्शन प्रा. ने बताया कि कुल 110 बड़े पेड़ कंक्रीटिंग के दौरान बाधा बन रहे हैं, उन्हें काटना होगा।

कांदिवली में दूध मिलावट करते पांच गिरफ्तार...

एफडीए ने छापामार कर मिलावट खोरों को पकड़ा

मुंबई : अन्न और औषध विभाग एफडीए ने कांदिवली में छापा मार दूध मिलावट करने वाले पांच लोगों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. एफडीए ज्वाइंट कमिश्नर शशिकांत केकरे (फूड) ने बताया कि एफडीए को दूध में मिलावट करने की गुप्त सूचना मिली थी.जिसके आधार पर मारे गए छापे में वीरैया रोशैया गज्जी (52) श्रीनिवास नरसैय्या वडलाकोंड़ा (39), नरेश मडैया जडाला (29), अंजैया गोपालू

बोड्डुपल्ली (42) रमा सत्यनारायण गज्जी (30) को दूध मिलावट करते पाया गया. यह सभी कांदिवली पोईसर के चव्हाण चाल में रह कर मिलावट का काम करते थे.

पकड़े गए आरोपी अमूल दूध, गोकुल जैसी कंपनियों के पैकेट के कोने को थोड़ा काटते थे और उसमें से दूध निकालने के पानी मिलाकर वापस पैक कर देते थे. एफडीए ने पांच जगह पर दूध के 9 सेंपल जमा किए थे. वहां से बरामद 1064 लीटर दूध जिसकी कीमत 62 हजार रुपए थी नष्ट कर दिया गया. मिलावटखोरों के खिलाफ समता नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई. सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. एफडीए आयुक्त अभिमन्यु काले के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई.

FCI घोटाले पर भी हुई कार्रवाई...!

CBI ने कल यानी बुधवार (11 जनवरी) को ही भारतीय खाद्य निगम (FCI) में घोटाले को लेकर कई जगहों पर रेड मारी थी. इसमें सीबीआई ने अब तक 60 लाख रुपये बरामद किए हैं और एफसीआई के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) राजीव कुमार मिश्रा को रंगे हाथ रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था. फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े घोटाले में सीबीआई ने 74 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

संपादकीय / लेख

खराब होती हवा

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

एक ऐसे समय जब कड़ाके की ठंड खत्म होने का नाम नहीं ले रही है, तब यह तथ्य सामने आना और भी अधिक निराशाजनक है कि वायु प्रदूषण भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। हवा की गुणवत्ता में गिरावट केवल दिल्ली और आसपास ही देखने को नहीं मिल रही है, बल्कि वह उत्तर भारत के अनेक शहरों में भी दिख रही है। फिलहाल उस पर लगाम लगने के कोई आसार नहीं हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर श्रेणी में पहुंचने पर बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक लगाई गई है, लेकिन इसमें संदेह है कि इससे बात बनेगी।

इसका कारण यह है कि हवा के विषाक्त होने के लिए अन्य अनेक कारण भी जिम्मेदार हैं और इनमें से प्रमुख है सर्दियों से बचने के लिए कोयला, लकड़ी, उपलों के साथ कचरे को भी जलाया जाना। भले ही कचरा जलाने पर रोक हो, लेकिन उस पर कोई अंकुश नहीं है। वर्तमान स्थितियों में उस पर अंकुश लगाना संभव भी नहीं दिखता। जब निर्धन लोगों को ठंड से बचाने के लिए स्वयं प्रशासन अलाव जलवाता हो, तब यह संभव नहीं कि वह लोगों को लकड़ी, कोयले के साथ कचरा जलाने से रोक सके। भारत एक गरीब देश है और फिलहाल यह कल्पना नहीं की जा सकती कि निर्धन लोग ठंड से बचने के लिए हीटर आदि का इस्तेमाल कर सकें।

यह ठीक नहीं कि उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र कुछ महीनों को छोड़कर पूरे वर्ष वायु प्रदूषण की चपेट में रहता है। वह रह-रह कर गंभीर श्रेणी में भी पहुंचता रहता है। सर्दियों के मौसम में ऐसा कुछ अधिक ही होता है। इसका कारण यह है कि वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार विभिन्न कारणों का प्रभावी ढंग से निवारण करने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इसकी पुष्टि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की ताजा रपट से भी होती है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तहत 2019 में यह कार्यक्रम सौ से अधिक शहरों में शुरू किया गया था। इसका लक्ष्य इन शहरों में हवा के स्तर को सुधारना था। इस कार्यक्रम के चार वर्ष पूरे होने के बाद यह पता चला कि लगभग किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। ऐसा तब हुआ जब हवा को स्वच्छ रखने के लिए विभिन्न शहरों को छह हजार करोड़ रुपये से अधिक दिए गए। जिन कुछ शहरों में वायु की गुणवत्ता में आंशिक सुधार हुआ, वहां इन सर्दियों में स्थिति फिर से खराब हो गई। एक तरह से जहां से चले थे, वहीं पहुंच गए। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत हवा को स्वच्छ रखने के लक्ष्य को आगे बढ़ा दिया गया है, क्योंकि यदि इस कार्यक्रम की नाकामी के कारणों का निवारण नहीं किया जाएगा तो फिर स्थितियां बदलने वाली नहीं हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

प्रधानमंत्री के मुंबई दौरे पर राउत का तंज,

बोले-निवेश से मतलब नहीं BMC चुनाव के लिए मोदी के स्वागत में जुटी शिंदे सरकार

मुंबईः देश के प्रधानमंत्री आगामी 19 जनवरी को मुंबई महानगरपालिका सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य विकास कामों के उद्घाटन के लिए मुंबई आ रहे हैं। अब इस बात को लेकर मुंबई समेत महाराष्ट्र का सियासी पारा गर्म हो चुका है। सियासी दलों द्वारा अब इस काम का श्रेय लेने की होड़ लगती हुई नजर आ रही है। इन्हीं सबके बीच युवासेना नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने बीएमसी कमिश्नर को एक खत भी लिखा है। जिसमें उन्होंने मुंबई में हो रहे विकास कामों के संदर्भ में कई सवाल पूछे हैं। संजय राउत ने महाराष्ट्र में निवेश के मुद्दे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई दौरे पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में निवेश लाने के प्रति जरा भी चिंतित नहीं है। संजय राउत ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राज्य में निवेश लाने के लिए दावोस जा रहे हैं। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार द्वारा दावोस दौरे की समय सीमा को कम किए जाने की खबर है। जिस पर राउत ने सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री मुंबई आ रहे हैं। यह अच्छी बात है उनका स्वागत होना चाहिए। हालांकि, इससे ज्यादा जरूरी महाराष्ट्र में निवेश लाया जाना है। प्रधानमंत्री के मुंबई आने की वजह से दावोस दौरे को छोटा किया जा रहा है। अच्छा होता कि प्रधानमंत्री खुद कहते कि इन विकास कामों का उद्घाटन अगली तारीख को किया जाएगा। लेकिन दावोस दौरे में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। राउत ने कहा कि पीएम के मुंबई दौरे को आगे बढ़ाया जा सकता है लेकिन दावोस के कार्यक्रम को आगे पीछे नहीं किया जा सकता है। राउत ने सीधा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुंबई आना सिर्फ और सिर्फ मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर है। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र बीजेपी का पहला मकसद राजनीति है। राज्य में निवेश लाना उनके लिए प्राथमिकता नहीं है। प्रधानमंत्री तो हमारे अपने हैं, मुंबई आते-जाते रहेंगे। लेकिन अगर एक बार निवेश हाथ से निकल गया तो वह वापस आने वाला नहीं है।

दूसरी बार पीएम महाराष्ट्र में क्यों आ रहे हैं

संजय राउत से जब यह सवाल पूछा गया कि प्रधानमंत्री तकरीबन एक महीने में दूसरी बार महाराष्ट्र में आ रहे हैं। आखिर इसकी क्या वजह है? जिस पर राउत ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव आने वाले दिनों में होने हैं। जिसके मद्देनजर बीजेपी द्वारा यह दिखाने की कोशिश है कि यह जो कुछ भी किया गया है। वह सब हमने ही किया है लेकिन यह जनता है जो सब जानती है।

पीएम का दौरा किसलिए?

आगामी 19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई महानगरपालिका के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट समेत अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन के लिए मायानगरी में आ रहे हैं। इस दौरे के दौरान वह मेट्रो 2 ए और मेट्रो 7 का भी उद्घाटन करेंगे। मेट्रो के पहले चरण का उद्घाटन पिछले साल किया गया है। अब दूसरे चरण का भी काम पूरा हो चुका है। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों किया जाना है। पीएम मोदी के हाथों एक और बड़ा उद्घाटन किया जाना है।

डूबते शख्स को मुंबई पुलिस का सहारा!

मरीन ड्राइव पर गहरे पानी से निकालकर यूं बचाई जान

मुंबई : मुंबई के मरीन ड्राइव पर पानी में डूब रहे एक शख्स को मुंबई पुलिस ने अपनी बहादुरी से बचा लिया. शख्स को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसकी जान बचाई गई है. पुलिस की इस बहादुरी का यह वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो को मुंबई पुलिस ने ट्विटर पर शेयर भी किया है. इस वीडियो को अब तक सैकड़ों लोग पसंद कर चुके हैं.

मरीन ड्राइव पीओ स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस को जैसे ही इस हादसे की जानकारी मिली कि एक व्यक्ति समुद्र में डूब रहा है, वे मौके पर पहुंचे. पुलिस ने युवक को पानी से बाहर निकाला और उसका प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद उसे आगे के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. वीडियो में चार पुलिस अधिकारी दिखाई दे रहे हैं जबकि दो गोताखोर डूबते हुए व्यक्ति को बाहर निकालते नजर आ रहे हैं. जबकि एक पुलिस अधिकारी उसे बाहर निकालते हुए नजर आ रहे हैं.

युवक के डूबने के कारण का नहीं चला है पता

हालांकि युवक पानी में कैसे डूबा इसका पता अभी नहीं चल पाया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे ऑन-ड्यूटी अधिकारी शख्स की जान बचा रहे हैं. इस वीडियो की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं. इस वीडियो पर कई लोगों ने अपना रिएक्शन भी दिया है. एक यूजर ने लिखा, 'मुंबई पुलिस पर गर्व है', वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'मुंबई पुलिस हमेशा सही समय पर सही जगह पहुंच जाती है.' बता दें कि इस वीडियो को अब तक सैकड़ों लोग पसंद कर चुके हैं.

महाराष्ट्र के गोंदिया में बाघ के हमले में 1 महिला की मौत,

अन्य महिलाएं भागने में हुईं सफल

गोंदिया : महाराष्ट्र के गोंदिया में गुरुवार दोपहर बाघ के हमले में एक 30 साल की महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए सहायक वन संरक्षक दादा राउत ने कहा कि महिला जिले की अर्जुन मोरगांव तहसील के गोठानगांव वन परिक्षेत्र में वाडेगांव बंध्या की 6-7 महिलाएं जंगल में जलाने की लड़की इकट्ठा कर रही थीं। इसी दौरान बाघ के हमले में आशा ताराम की मौत हो गई। गनीमत रही कि अन्य महिलाएं भागने में सफल रहीं।

इस क्षेत्र में इंसान की मौत का पहला मामला

गढ़चिरौली वन परिक्षेत्र के करीब इस क्षेत्र में हाल ही में तीन बाघों की आवाजाही देखी गई है। वन विभाग को मवेशियों के मारे जाने की शिकायतें भी मिली थीं, हालांकि किसीबाघ के हमले की वजह से इंसान की मौत का यह पहला मामला है। उन्होंने आगे बताया कि बाघों को पकड़ने के लिए आसपास के इलाकों में पिंजरे रखे गए हैं। हमले की शिकार महिला के परिजनों को 25,000 रुपए का शुरूआती मुआवजा दिया गया है। मुआवजे की शेष राशि औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सौंपी जाएगी।

जंगलों में इंसानी गतिविधियां बढ़ने से संघर्ष

बता दें कि गोंदिया महाराष्ट्र का कमोबेश अविकसित जिला है और इसकी अधिकतर जमीन वनों से आच्छादित है। लोगों के मुख्यतः कृषि पर निर्भर होने और लकड़ी आदि इकट्ठे करने के लिए वनों में आने-जाने से अकसर इंसान जंगली जानवरों की चपेट में आते रहते हैं। जिले से पहले भी मानव और वन्य प्राणियों के बीच संघर्ष की घटनाएं हुई हैं।

पिछले साल मार्च में यहां एक शावक बाघ ट्रेन से टकराकर मारा गया था। यह हादसा जंगली जानवरों के सुरक्षित घूमने-फिरने के लिए बनाए गए नवेगांव-नागजिरा बाघ रिजर्व के बीच से गुजरने वाले रेलमार्ग पर हुआ था। जंगलों के आसपास के इलाकों में इंसानों की बसावट बढ़ने और जंगलों में इंसानी गतिविधियां बढ़ने से भी मानव और वन्य प्राणियों के बीच संघर्ष के मामले बढ़ रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

दादर पुलिस स्टेशन में गोलीबारी मामले में बड़ा खुलासा...

शिंदे गुट के MLA की पिस्तौल से चली थी गोली

बीते साल महाराष्ट्र के दादर पुलिस स्टेशन परिसर में सीएम शिंदे व ठाकरे गुट के बीच हुई झड़प व गोली चलने के मामले में नया खुलासा हुआ है। पता चला है कि थाना परिसर में चलाई गई गोली, एकनाथ शिंदे गुट के विधायक सदासर्वांकर के लाइसेंसी हथियार से चलाई गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, घटना के बाद हमने सर्वांकर के लाइसेंसी हथियार को जब्त कर दिया था और जांच के लिए इसे फारेंसिक लैब भेजा गया था। रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि पुलिस स्टेशन परिसर में पाया गया गोली का खाली खोल, उनके ही लाइसेंसी हथियार से चलाया गया था। वहीं इस मामले में आरोपी विधायक सर्वांकर का कहना है कि उन्हें रिपोर्ट के बारे में जानकारी नहीं है। हालांकि, यह एक मिसफायर था। बता दें, बीते साल 11 सितंबर को विधायक सदासर्वांकर के करीबी सहयोगी संतोष तेलवाने ने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर उद्धव ठाकरे के समर्थकों की आलोचना की थी। इसके बाद, ठाकरे गुट के महेश सावंत ने तेलवाने को प्रभादेवी इलाके में मिलने के लिए कहा।

यशोधरा को बनाया रुबिना, लव मैरिज के 4 साल बाद हुई मौत

अब परिवार ने बताई 'लव जिहाद' की खौफनाक सच्चाई...पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के धारावी इलाके में एक हिंदू लड़की की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार ने लव जिहाद का आरोप लगाया है. हिंदू लड़की ने एक मुसलमान लड़के के साथ शादी की थी. 4 साल से दोनों मुंबई में रह रहे थे. पीड़ित परिवार का आरोप है कि पति अपनी हिंदू पत्नी पर मांस खाने और धर्म बदलने के लिए हमेशा दवाब बनाता था. इसकी वजह से दोनों में आए दिन झगड़े होते थे और आरोपी पति अपनी पत्नी को काफी मारता पिटता था. पीड़ित परिवार के आरोपों के बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी पति को हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. इस मामले में विश्व हिंदू परिषद ने भी मुंबई की सड़कों पर

विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने सरकार से मांग की है कि लव जिहाद के मामले में जल्द से जल्द कानून लाएं.

मुंबई के धारावी इलाके की रहने वाली 24 साल की रुबिना ने 28 साल के मुसलिम लड़के रहमत से भाग कर शादी की थी. पुलिस के मुताबिक रुबिना और रहमत दोनों मध्य- प्रदेश की रहने वाले है. 2019 में दोनों भाग कर मुंबई आए और शादी कर ली. 5 जनवरी को मुंबई पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ लोग एक लड़की को उठा कर अस्पताल लेकर गए है. पुलिस ने जानकारी निकाली तो पता चला कि रुबिना नाम की लड़की की अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो चुकी है. शुरूआत में उसके पति ने बताया कि उसकी पत्नी ने घर में फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली है.

महिला के परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

पुलिस ने जब घटना की जानकारी पीड़ित के परिवार को दी तो पता चला कि रुबिना का असली नाम यशोधरा काटिक है और वो हिंदू है. पीड़ित परिवार ने पुलिस के समाने खुलासा किया कि यशोधरा ने रहमत से भाग कर शादी की थी. शादी के बाद रहमत ने उसका नाम यशोधरा से रुबिना रख दिया. पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया कि आरोपी रहमत हर समय यशोधरा को गौ मांस और धर्म परविरर्तन करने का दवाब बनाता था. रहमत अपनी पत्नी यशोधरा को काफी मारता-पिटता भी था.

नासिक में बीमार बुजुर्ग महिला से बलात्कार, 22 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नासिक से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। जहां 22 वर्षीय शख्स ने एक बीमार बुजुर्ग महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शहर की एक अदालत ने 60 वर्षीय बिस्तर पर पड़ी बीमार महिला के साथ कथित बलात्कार के मामले में युवक को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। नासिक पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद मंगलवार दोपहर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ हत्या के प्रयास का भी मामला पहले से दर्ज है। पुलिस ने कहा कि पीड़ित महिला पैरालिसिस अटैक के बाद से कई सालों से बिस्तर पर है और अपने छोटे से घर में अकेली रहती है। उसी इलाके में रहने वाला आरोपी मंगलवार की रात 1 से 3 बजे के बीच महिला की झोपड़ी में घुस गया और उसके साथ कथित तौर पर बार-बार बलात्कार किया।

महावितरण के इंजीनियर समेत 10 लोगों की टीम से मारपीट

कल्याण : कल्याण पूर्व मंडल के हाजी मलंग फीडर में बिजली चोरी का तलाशी अभियान चला रहे महावितरण के एक कार्यकारी अभियंता समेत 10 लोगों की टीम को काकड़वाल गांव में बेरहमी से पीटे जाने का मामला सामने आया है। रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना बुधवार दोपहर हुई और देर रात पांच आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की 10 और मुंबई पुलिस अधिनियम की तीन धाराओं के तहत हिल लाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और चार आरोपी फरार है। गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को अदालत ने पुलिस हिरासत में भेज दिया। आरोपियों के नाम अशोक दूधकर, संतोष दूधकर, जगदीश दूधकर, अनंत दूधकर और प्रकाश दूधकर है। बिजली चोरी का पता लगाने और खराब मीटरों को बदलने सहित उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए हाजीमलंग फीडर पर पिछले तीन महीनों से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सहायक अभियंता रवींद्र नाहिदे की टीम ने बुधवार को काकड़वाल गांव में दुधकर परिवार की चार मंजिला इमारत की बिजली आपूर्ति की जांच करने की कोशिश की क्योंकि बिजली का बिल केवल 250 रुपए था।

अभियंता और कर्मचारी घायल

लेकिन तीन महिला कर्मचारियों समेत टीम को काम करने से रोककर दुधकर परिवार ने टीम के इंजीनियरों और कर्मचारियों को लात मुक्के, लोहे की छड़, लकड़ी के डंडे और पाइप के टुकड़ों से पीटा। हमले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे कल्याण पूर्व मंडल के कार्यकारी अभियंता नरेंद्र धावड़ और कनिष्ठ अभियंता प्रशांत राउत के साथ भी दुधकर परिवार ने मारपीट की। दुधकर परिवार के हमले में कार्यकारी अभियंता धवड़ सहित दस अभियंता और कर्मचारी घायल हो गये। शिकायत दर्ज कराने नेवाली पुलिस स्टेशन जाने के बाद आरोपियों ने टीम के सदस्यों के साथ गाली-गलौज कर धमकाया।

कर्मचारी देर रात तक पुलिस स्टेशन में डटे रहे

प्राथमिक उपचार के बाद हिल लाइन पुलिस ने सहायक अभियंता नाहिदे की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस निरीक्षक श्रीराम पडवाल मामले की जांच कर रहे है। कल्याण सर्किल के मुख्य अभियंता धनंजय औंधेकर, कल्याण सर्किल 2 के अधीक्षक अभियंता दिलीप भोले समेत वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर, कर्मचारी देर रात तक पुलिस स्टेशन में डटे रहे।

नवी मुंबई में चोरी के 10 ऑटो रिक्शा बरामद, 4 आरोपी गिरफ्तार

नवी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में ऑटो रिक्शा चोरी करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के पास से चोरी के 10 वाहनों को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ऑटो चोरी के चार मामले मुंबई से और दो-दो मामले ठाणे, नवी मुंबई और मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के थे।

भायखला के दगडी चॉल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई के भायखला इलाके में दो मंजिला इमारत में लगी आग को बुझा दिया गया है। नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि दगड़ी चॉल में रात करीब साढ़े 9 बजे दो मंजिला इमारत के एक कमरे में आग लगी। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुंबई में धीरूभाई अंबानी स्कूल को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (इडउ) इलाके में स्थित धीरूभाई अंबानी स्कूल को उड़ाने की धमकी देने के आरोप में गुजरात के मोरबी से विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस ने यह जानकारी दी है।

अतिक्रमण हटाने के लिए शख्स ने दी आग लगने की फर्जी सूचना, FIR दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक व्यक्ति के खिलाफ कथित रूप से आग लगने का फर्जी कॉल करने का मामला दर्ज किया गया है। व्यक्ति ने यह कॉल इसलिए की थी ताकि घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़क से अतिक्रमण हटाया जा सके। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति ने बदलापुर फायर स्टेशन को फोन किया और सूचना दी कि खाऊ गली इलाके में एक इमारत में भीषण आग लग गई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब दमकल

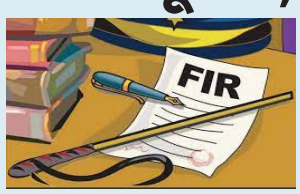

विभाग का एक दल मौके पर पहुंचा, तो उन्होंने पाया कि एक कार ने घटनास्थल पर जाने वाले मार्ग को अवरुद्ध कर रखा है। उन्होंने कहा कि आरोपी कार में बैठा था। जब अग्निशमन अधिकारियों ने उससे रास्ते से कार हटाने के लिए कहा तो उसने कथित तौर पर अधिकारियों को सड़क से अतिक्रमण हटाने और आगे बढ़ने के लिए कहा। आरोपी ने अधिकारियों को बताया कि आग नहीं लगी थी, लेकिन उसने अग्निशमन विभाग से अतिक्रमण हटाने के लिए फोन (फर्जी) किया था।

अधिकारी ने कहा कि उसके खिलाफ बदलापुर पश्चिम पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 341 (गलत तरीके से रोकना), 186 (लोक सेवक के काम में बाधा डालना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

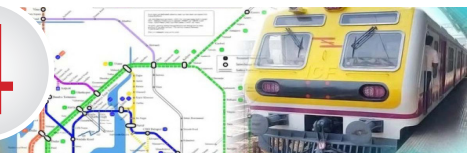

रिश्वत लेने के आरोप में दो पूर्व आयकर अफसरों को 3 साल जेल...

महाराष्ट्र : विशेष सीबीआई अदालत ने बुधवार को आयकर विभाग के दो पूर्व अधिकारियों को रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शिकायतकताओं के कार्यालयों और आवासों पर तलाशी अभियान चलाने की धमकी देकर दोनों ने रिश्वत मांगी थी। आरोपी राज कुमार भाटिया और सुरेश खेतान को मंगलवार को विशेष न्यायाधीश एसपी नाइक निंबालकर ने आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया। 2008 में दोनों को सीबीआई ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी सवा लाख फेरीवालों के खाते में डालेंगे 10 हजार रुपया

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई दौरे के दौरान सवा लाख फेरीवालों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत उन्हें रोजगार करने के लिए 10 हजार रुपया उनके खाते में डाला जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल में अपना रोजगार गवाए लोगो को रोजगार देने के लिए यह घोषणा की थी।मुंबई में पिछली सरकार ने दो साल बीत जाने के बावजूद मात्र 8 हजार फेरीवालों को स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपया दिया था।

बता दे कि मुंबई में फेरीवालों की संख्या एक लाख के ऊपर है।फेरीवाला कानून लागू करने के पहले मुंबई में फेरीवालों का किए गए सर्वेक्षण में 99 हजार से अधिक फेरीवालों का सर्वेक्षण हुआ था। जबकि मुंबई में 15 हजार लाइसेंस धारी फेरीवाले है। कोरोना काल में रोजाना की कमाई कर अपना पेट पालने वाले फेरीवालो का रोजगार पूरी तरह छीन गया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फेरीवालों को दोबारा उनके पैर पर खड़े होने के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की घोषणा की थी जिसके तहत फेरीवालों को रोजगार करने के लिए पहले 10 हजार रुपया बैंक से कर्ज दिलाया जाना था । फेरीवालों को 10 महीने में हर महीने की तर्ज पर 1 हजार रुपया के रूप में बैंक को पैसा लौटाना था। फेरीवालों को यह कर्ज बिना व्याज उपलब्ध कराया गया । फेरीवालों द्वारा बैंक को समय पर पैसा लौटाने पर फेरीवालों को दोबारा 20 हजार रुपया कर्ज के रूप में मिलेगा । यह पैसा भी समय पर लौटाया तो 50 हजार रुपया तक का कर्ज बैंक से मिलेगा। बैंक से कर्ज दिलाने की पूरी गारंटी मनपा की होगी।फेरीवालों की ओर से मनपा जवाबदारी लेगी।दो साल बीत जाने के बावजूद अभी तक मात्र 8 हजार लोगो को प्रधानमंत्री स्व निधि का फायदा मिला। राज्य में शिसवेना भाजपा की सरकार आने के बाद फेरीवालों को उनके पैर पर खड़ा करने के लिए फिर से सरकार ने जवाबदारी उठाई और दोबारा फेरीवालों को कर्ज दिलाने की प्रक्रिया शुरू की गई।कर्ज लौटाने को लेकर बैंक को किसी तरह की गारंटी नहीं होने के कारण बैंक कर्ज नहीं दे रही थी।राज्य सरकार ने मनपा प्रशासन को निर्देश दिया कि फेरीवालों को कर्ज मिलने में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए और बैंक को मनपा गारंटी दे। मनपा ने दोबारा फेरीवालों को कर्ज दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाई और अब सवा लाख का पंजयन हो गया है ।

यात्री के 8.08 लाख रुपये के गहने लेकर भागने वाला ऑटो रिक्शा चालक गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने 37 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है, जो एक यात्री के 8.08 लाख रुपये के गहने लेकर कथित तौर पर फरार हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नौपाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक संजय धूमल ने बताया कि यह घटना सोमवार को उस समय घटी, जब एक जोड़ा अपने गहने बैंक लॉकर में रखने के लिए ऑटो रिक्शा से जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब जोड़ा ऑटो रिक्शा से उतरा और महिला ऑटो रिक्शा में रखा गहनों से भरा बैग उठाने ही वाली थी तभी चालक वाहन ले कर तेज गति से भाग निकला। इस दंपती ने नौपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस दल ने अलग-अलग सूचनाओं पर काम किया और रास्ते में लगे 35 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की।

दो घंटे बाद शहर के लोकमान्य नगर निवासी आरोपी शिवप्रसाद बनवारीलाल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है और उसके पास से गहने बरामद कर लिये हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 379 (चोरी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

टैक्स की चोरी के खिलाफ एक्शन में महाराष्ट्र सरकार...

कोयले की तस्करी में कई गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के यवतमाल में अवैध कोयले की बिक्री के खिलाफ पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. यवतमाल की वानी पुलिस ने स्थानीय क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर कोयले की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही पुलिस ने कोयले से भरे 8 ट्रकों को भी अपने कब्जे में लिया है. बताया जा रहा है अवैध रूप स चल रहे कोयले की तस्करी से सरकार को करोड़ों का नुकसान हो रहा था. कोयला तस्करों के खिलाफ अब सरकार अभियान चलाकर कार्रवाई करेगी..

यवतमाल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस पूरे आपरेशन की तैयारी पुलिस ने उस वक़्त शुरू की थी जब पुलिस को इस अवैध डील की जानकारी एक लोकल एक्टिविस्ट से मिली थी.वानी पुलिस ने स्थानीय अपराध शाखा के साथ

मिलकर इस पूरे आपरेशन को अंजाम दिया. पुलिस ने बुधवार सवेरे मुकुतबन और वानी के बीच अवैध रूप से चल रही कोयले की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की और कथित रूप से बिना GST और अन्य TAX भरे होने वाली इस डील को रोकने में कामयाब रही.

करोड़ो रुपए का अवैध कारोबार

वानी पुलिस स्टेशन के निरीक्षक और मामले के जांच अधिकारी प्रदीप सिरस्कर ने इस खबर की पुष्टि करते हुए इस पूरे मामले में करोड़ो रुपए की टैक्स चोरी का संदेह जताया है. पुलिस को जानकारी मिली थी कि 8 ट्रकों में भरे कोयलों को अवैध तरीके से बेचने के लिए लेकर जाया जा रहा है.साथ ही इन कोयलों को बिना केंद्र सरकार को रॉयल्टी का भुगतान किए बेचा जाना था. पुलिस इस मामले में ये भी पता लगा रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कौन कौन लोग शामिल हैं.

400 करोड़ का है पूरा कोयला घोटाला

पुलिस ने जिन कोयलों से भरे ट्रकों को जप्त किया है उनमें से हर एक ट्रक पर करीब 20 लाख 80 हजार का कोयला था. ऐसे में इस पूरे ऑपरेशन में पुलिस ने करीब 1 करोड़ 70 लाख की कीमत का कोयला जप्त किया है. वानी पुलिस के सूत्रों की माने तो ये पूरा घोटाला 400 करोड़ से ज्यादा का है. पुलिस की शुरूआती जांच में ये पता चला है कि ये कोयला कथित तौर पर बीएस इस्पात लिमिटेड नाम की कंपनी से जुड़ा हुआ था.

मुंबई के बिल्डर को ईडी ने किया गिरफ्तार...

500 करोड़ की धोखाधड़ी का है आरोप

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के रियल इस्टेट कंपनी के मालिक को 500 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने गुरुवार को अपनी कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि करण ग्रुप बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के प्रमोटर महेश भूपतकुमार ओझा पर 500 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है। इस मामले में धनशोधन रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, करण ग्रुप बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के प्रमोटर महेश भूपतकुमार ओझा को 10 जनवरी को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। इसके बाद ईडी ने उसे जेल से हिरासत में ले लिया था। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला कर्नाटक पुलिस द्वारा महेश भूपतकुमार ओझा और अन्य के खिलाफ एक निवेशक की शिकायत पर दायर कई एफआईआर से जुड़ा हुआ है। शिकायत दर्ज कराने वाले निवेशक ने भी परियोजनाओं में पैसा लगाया था।

जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने विभिन्न रियल एस्टेट परियोजनाओं में लगभग 526 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जांच एजेंसी ने एक बयान में बताया था कि शिकायतकर्ता द्वारा किए गए इस कुल निवेश (526 करोड़ रुपये) में से 121.5 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश महेश बी ओझा की अध्यक्षता में करण ग्रुप बिल्डर्स एंड डेवलपर्स द्वारा किए गए एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के लिए किया गया था। जांच अधिकारी ने बताया कि रियल इस्टेट परियोजनाओं के लिए प्राप्त हुई रकम को विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से रोटेट करने के बाद महेश ओझा द्वारा संस्थाओं और लोगों के एक अन्य नेटवर्क के माध्यम से डायवर्ट कर दी गई थी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com